मैं दे दूंगा। मैंने सब पढ़ा है और एक-एक प्वाइंट के ऊपर मैंने अधिकारियों से कहा है कि कल रात में ही एक-एक प्वाइंट के ऊपर जवाब दें चूंकि हम भी इंटरेस्टेड हैं जानकारी के लिए इन सारी चीजों में। यह अपने कंजम्पशन के लिए भी है और आपको तो जानकारी होगी ही। इसलिए मैं आपको निश्चित रूप से उसको भिजवाने का काम करूंगा। एडवर्टाइजमेंट वगैरह का कहा है। इसके लिए भी मैंने पता लगवाया था। उसका एक अलग से हमारे यहां एक डिपार्टमेंट ही है। उसका एक नियम है। वर्चुअली कहिए कि हम तो रोक ही रहे हैं। जैसे कल भी देखे होंगे कि इतना बड़ा था बारमूला का और वहां का। फिर भी हमने कहा कि सब पेपर्स में मत दो। कुछ एक पेपर्स में निकला। हमारे दूसरे सदन में भी लोग कह रहे थे। मैं आपको नहीं कहता हूं। लेकिन मैंने जब पूछा अपनी मिनिस्ट्री से तो बताया कि यह सिस्टम हमारे यहां, रेलवे मिनिस्ट्री में शुरू से ही है तो मैंने कहा कि शुरू से अभी तक किसी ने इस मामले को नहीं उठाया। यह तो बेचारे गरीब राम विलास पासवान जब बने हैं तब ही यह मामला बार-बार क्यों उठ रहा है। इसलिए मैं कोशिश कर रहा हूं।

मैं तो दिल्ली में रात में आता हूं। 6 बजे के बाद, 12 बजे, 2 बजे रात तक आफिस में मैं डेली बैठता हूं। कल भी मैं 2 बजे रात तक बैठा था। आफिस का काम हम रात में करते हैं।

श्री एस० बी० चव्हाण: मेरा आब्जेक्शन एडवर्टाइजमेंट में नहीं था। एडहाक नहीं है यह पूछ रहा था... **(व्यवधान)**

श्री राम विलास पासवान: दिन में भी करते हैं। तो हम कोशिश नहीं करते हैं। हम कोशिश करते हैं कि ठीक है अपना करो। लेकिन कभी-कभी लोकल लोगों को बहुत गुस्सा होने लगता है कि यहां का तो आपने कर दिया, हमारे यहां का जब कोई कार्यक्रम हो रहा है तो हमारी कांस्टीटुएंसी की कोई इज्जत है कि नहीं। हमारी कोई इज्जत है कि नहीं। तो उसमें थोड़ा बहुत देखना चाहते हैं। लेकिन मैं आपको इतना विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके आशीर्वाद से आपकी जो परसनैलिटी है या आपकी जो परसनैलिटी है या बख्त साहब की जो है, या जो हो गया है इसमें लोगों को अब कोई चेहरा वगैरह दिखलाने की बहुत जरूरत नहीं है। लेकिन एक थोड़ा सा एडवर्टाइजमेंट का होता है उससे जो लोकल लोग हैं, जो लोकल एम० पीज भी हैं या जो लोकल प्रोजेक्ट्स हैं वे हाइलाइट होते हैं। उस दृष्टिकोण से भी हम लोग करते हैं। लेकिन बाकी अभी जो आपने कहा है हम उसको डिटेल में लिखकर भेज देंगे। और भी माननीय सदस्यों को कहना चाहते हैं, पालिसी के मामले पर भी या और पर भी चूंकि समय का अभाव है इसलिए उन सब मामलों पर, एक-एक करके आपने जितने प्वाइंट्स उठाए हैं उसमें चाहे जितना भी हमको विस्तार में जाना पड़ेगा हम विस्तार में जाकर आपको जवाब भेजने का काम करेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं सभी माननीय सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और इस सदन में लेखानुदान की 1997-98 की मांग और 1996-97 के लिए अनुदान की पूरक मांगें विचारार्थ प्रस्तुत करता हूं।

THE APPROPRIATION (RAILWAYS) VOTE ON ACCOUNT BILL, 1997

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): महोदय मैं प्रस्ताव करता हूं कि—

> "रेलों के प्रयोजनार्थ वित्तीय वर्ष 1997-98 के एक भाग की सेवाओं के लिए भारत की संचित निधि में से कतिपय राशियां निकालने का उपबंध करने वाले विधेयक पर, जिस रूप में वह लोक सभा द्वारा पारित किया गया है, विचार किया जाए।"।

The question was put and the motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): I shall now take up clause by clause consideration of the Bill.

Clauses 2, 3 and the Schedule were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

श्री राम विलास पासवान: महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि विधेयक को लौटाया जाए।

The question was put and the motion was adopted.

THE APPROPRIATION (RAILWAYS) BILL,1997

रेल मंत्री **(श्री राम विलास पासवान):** महोदय मैं प्रस्ताव करता हूं कि.

> 31 मार्च, 1995 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान रेलों के प्रयोजनार्थ कुछ सेवाओं के लिए

अनुदत्त रकमों से अधिक जितनी रकमें उक्त वर्ष के लिए उन सेवाओं पर व्यय की गई थी उनको चुकाने के लिए भारत की संचित निधि में से धन का विनियोग प्राधिकृत करने का उपबंध करने वाले विधेयक पर जिस रूप में वह लोक सभा द्वारा पारित किया गया है, विचार किया जाए।

The question was put and the motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): We shall now take up clause by clause consideration of the Bill.

Clauses 2, 3 and the Schedule were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

श्री राम विलास पासवानः महोदय मैं प्रस्ताव करता हूं कि विधेयक को लौटाया जाए।

The question was put and the motion was adopted.

THE APPROPRIATION (RAILWAYS) NO. 2 BILL, 1997

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): महोदय मैं प्रस्ताव करता हूं कि,

रेलों के प्रयोजनार्थ वित्तीय वर्ष 1996-97 की सेवाओं के लिए भारत की संचित निधि में से कतिपय और राशियों के संदाय और विनियोग को प्राधिकृत करने वाले विधेयक पर, जिस रूप में वह लोक सभा द्वारा पारित किया गया है, विचार किया जाए।

The question was put and the motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): We shall now, take up clause by clause consideration of the Bill.

Clauses 2, 3 and the Schedule were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

श्री राम विलास पासवानः महोदय मैं प्रस्ताव करता हूं कि विधेयक को लौटाया जाए।

The question was put and the motion was adopted.

THE BUDGET (GENERAL), 1997-98

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): We will not take up the discussion on the General Budget for the year 1997-98. Shri T. N. Chaturvedi, please.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI (Uttar Pradesh): Thank you, Mr. Vice-Chairman, Sir, for giving me this opportunity to participate in the debate on the Budget for 1997-98.

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): Before Mr. Chaturvedi begins, just one point. I have been raising this question about the audit reports. We are finding the audit reports in the newspapers. An audit report which is to be laid on the Table of the House is appearing in the newspapers. It is good; I compliment the journalist of the 'Times of India' who has published a portion of the audit report which is yet to be laid on the Table of the House. The 'Times of India' says: 'The report has already been submitted to the President, Dr. Shankar Dayal Sharma. It is likely to be placed in Parliament this week'. I would like to know from the hon. Finance Minister. I had raised this issue earlier also, twice. I see the hon. Finance Minister coming and saying something to the Chair. Mr. Vice-Chairman, it is a very important point. We should know the position before we start the discussion on the General Budget. These audit reports have to be placed before Parliament. They have to be made availble to Members of Parliament. They have not been laid, excepting two reports which were laid two days back and which were made available to me yesterday evening because I had raised the issue. But what about the other audit reports which are finding place in the newspapers? The journalist needs to be complimented on his giving us some information on this. I would like to know from the hon. Finance Minister as to why the reports are not being placed on the Table of the House.